लोक सभा अध्यक्ष ने दिल्ली विधान सभा के सदस्यों के लिए दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम का उद्घाटन किया

नई दिल्ली, 25 अगस्त, 2015 : लोक सभा अध्यक्ष, श्रीमती सुमित्रा महाजन ने आज विधान सभा परिसर में दिल्ली विधान सभा के सदस्यों के लिए दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह के दौरान दिल्ली के मुख्य मंत्री, श्री अरविन्द केजरीवाल विशिष्ट अतिथि थे और इस समारोह की अध्यक्षता दिल्ली विधान सभा के अध्यक्ष, श्री राम निवास गोयल ने की।

इस अवसर पर, श्रीमती महाजन ने कहा कि भारत के प्रधान मंत्री और दिल्ली के मुख्य मंत्री, दोनों ही पहली बार लोक सभा और विधान सभा के लिए निर्वाचित हुए हैं। दोनों में नयापन है। इसलिए उनकी सरकारों को आपस में संतुलन बना कर साथ चलने की जरूरत है।

यह टिप्पणी करते हुए कि हमारी संवैधानिक प्रणाली में दिल्ली का स्थान अनूठा है, उन्होंने इसकी तुलना एक ऐसे परिवार से की सदस्य साथ रहते हैं और उन्हें एक दूसरे का आदर करने और बेहतर तालमेल बनाने की जरूरत है। उन्होंने विधायकों को दिल्ली और केंद्र के संबंधों में मध्यस्थ की भूमिका निभाने का अनुरोध किया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि दिल्ली के विकास से जुड़े सभी संबंधित व्यक्ति मिलकर काम करेंगे और दिल्ली को एक आदर्श स्थान बनाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि जन प्रतिनिधियों को लोगों से जो जनादेश मिला है, वह वह उस विश्वास का प्रतीक है जो उन्होंने अपने प्रतिनिधियों में व्यक्त किया है। इसलिए उनके विश्वास पर खरा उतारना आवश्यक है। उन्होंने विधायकों को लोगों की शिकायतों और आकांक्षाओं का समाधान करते हुए यथार्थवादी होने की सलाह दी ताकि अनावश्यक आशाएं घातक न बन जाएँ। उन्होंने विधायकों को विभिन्न नियमों, सभा की पद्धतियों और प्रक्रियाओं, संसदीय परम्पराओं की जानकारी हासिल करने की भी सलाह दी। इसमें शालीनता बनाये रखना तथा पीठासीन अधिकारी और अन्य साथी विधायकों के प्रति सम्मान भाव रखना महत्वपूर्ण है।

श्रीमती महाजन ने यह भी कहा कि विपक्ष का कार्य केवल विरोध करना नहीं बल्कि सरकारी नीतियों में सार्थक योगदान करना भी है। इसलिए विधायकों का दायित्व है कि वे मुद्दों पर चर्चा, बहस करें, असहमति व्यक्त करें और निर्णय लें। उन्होंने कहा कि जन सेवा के लिए हमें सुनिश्चित करना चाहिए कि सरकार और विपक्ष टकराव की बजाय सर्वसम्मति बनाने की दिशा में कार्य करें।